मोहयाल मित्र

■ *रिपोर्ट*

मोहयाल यूथ कैंप वृंदावन (28 से 30 मार्च 2014)

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली, अध्यक्ष जनरल मोहयाल सभा द्वारा 28 मार्च को मोहयाल ध्वजारोहण के साथ यूथ कैंप का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात श्रीमती सुनीता मेहता और श्रीमती

कृष्णलता छिब्बर द्वारा मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई। मंच पर मुख्य–अतिथि और जी.एम.एस. के पदाधिकारियों ने स्थान ग्रहण किया।

जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली ने यूथ कैंप में आए सभी मोहयालों का विशेषतया बहुत बड़ी संख्या में आए युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में भाग ले रहे युवाओं को देखकर वे बहुत प्रसन्न हैं। उनके लिए ही इस कैंप का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र युवाओं के बल पर ही आगे बढ़ता है। मोहयाल बिरादरी के लिए भी यह सत्य है। हमारा सौभाग्य है कि हम चारपाई के ताने–बाने सी बुनी हुई मोहयाल बिरादरी के सदस्य हैं। उन्होंने युवाओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि इस कैंप की कार्यवाही सद्भावनापूर्वक होगी और हमारी युवा पीढ़ी बिरादरी को आगे ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर मोहयाल मित्र के युवाओं पर केंद्रित अप्रैल अंक का लोकार्पण रायज़ादा बी.डी. बाली और मंचासीन विशिष्टगण ने किया। रायज़ादा बी.डी. बाली ने पत्रिका के मुख पृष्ट पर प्रकाशित श्रीमती संगीता और श्री विनोद दत्त के फोटोग्राफ़ का उल्लेख किया, जिसमें पति–पत्नी उद्योगपति के रूप में प्रधानमंत्री से पुरस्कृत हुए थे। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता युवाओं को प्रेरित करेगी। श्रीमती और श्री विनोद दत्त ने पुरस्कार–राशि में से पचास हज़ार रुपए जी.एम.एस. को भेंट करने की घोषणा का सबने स्वागत किया।

मुख्य–अतिथि ले.जन. जी.एल. बक्शी (सेवानिवृत्त), परम विशिष्ट सेवा मैडल ने अपने मुख्य–भाषण में युवाओं को संबोधित किया उन्होंने कहा कि युवाओं का सशक्तिकरण तब होगा जब वे अपने कदमों पर खड़े होकर आगे बढ़ेंगे। वे अपने अधिकारों को जानेंगे और उनके माध्यम से सशक्त होंगे। युवा अपनी प्रतिभा और योग्यता को समझे, वे अपनी रुचियों को जानें। अच्छे और सक्षम व्यक्ति बनें। (मुख्य–अतिथि का भाषण इस अंक के इंगलिश सैक्शन में प्रकाशित हुआ है।)

सफल उद्योगपति श्री विनोद दत्त ने कहा कि प्रत्येक पुरुष की सफलता की पृष्ठभूमि में नारी की भूमिका होती है। मेरा सौभाग्य है कि मेरी सफलता की पृष्ठभूमि में दो नारियों का– पहली मेरी स्व. माताजी और मेरी पत्नी का हाथ है। उन्होंने बहुत सामान्य परिवार में जन्म लेकर केवल ईमानदारी और श्रेष्ठ उत्पादन करके उद्योग में सफलता के शिखर का स्पर्श किया है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे खाद्य–उद्योग में कार्य करें जिसमें सरकार की ओर से काफी सुविधाएँ दी जाती हैं। आपको मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी तो मैं पूरा सहयोग करूँगा।

एक अन्य सफल उद्योगपति तथा जी.एम.एस. के वाईस प्रेज़ीडेंट श्री पी.के. दत्ता ने कहा कि उनकी सफलता में दो बातें महत्वपूर्ण रही हैं। पहली प्रेम और दूसरी भया स्वयं से प्रेम और सबसे प्रेम। अपने से सत्तर प्रतिशत प्रेम करें और दूसरों से तीस प्रतिशत प्रेम करें। सफलता के पश्चात श्रेष्ठता अगला उद्देश्य होना चाहिए।

डॉ. रतन कुमार दत्ता ने मेरिट संस्थान के विषय में बताते हुए कहा कि सन् 1999 में इसका शुभारंभ किया गया। इसने धीरे–धीरे विकास किया। युवा मोहयालों को मेरिट में मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। इसमें आई.टी. से संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश लें।

श्री योगेश मेहता ने कहा कि सन् 2002 से यूथ कैंप लगाए जा रहे हैं। यह कैंप इसी श्रृखंला की एक कड़ी के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इनके माध्यम से युवा आपस में माला मनकों के समान एक–दूसरे से जुड़ जाते हैं। युवाओं को आगे लाने की दिशा में लोकल मोहयाल सभाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वित्त वर्ष 2014–2015 को 'युवा वर्ष' के रूप में मनाया जाए। सोशल मीडिया का सदुपयोग मोहयालों में प्रेम और सद्भाव बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए। इसका दुरुपयोग करने वाले से सतर्क रहना चाहिए।

डॉ. अशोक लव ने मोहयाल यूथ कैंप के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि सन् 2002 में मोहयाल आश्रम हरिद्वार में पहला 'यूथ सेमीनार' आयोजित किया गया। इसके पश्चात चंडीगढ़, जालंधर और देहरादून में इनका आयोजन किया गया। मोहयाल मित्र के अप्रैल अंक में इनके विषय में विस्तृत जानकारी दी गई है।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

युवा मोहयालों ने मंचासीन सभी विशिष्ट मोहयालों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया।

डॉ. अशोक लव ने युवाओं को विभिन्न विषयों पर चर्चा और आपस में विचार–विमर्श करने के लिए तीन विषय दिए। ये विषय थे–

1. जनरल मोहयाल सभा और लोकल मोहयाल सभाओं के स्तर पर मोहयाल बिरादरी के कार्यों में युवाओं की भूमिका।

2. अपने व्यावसायिक विकास के लिए युवाओं की अपेक्षाएँ और ज़मीनी–स्तर पर बिरादरी के लिए कार्य करना।

3. वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों और मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए मोहयाल बिरादरी को आगे ले जाने के लिए सुझाव।

ग्रुप 1– श्री ऋत मोहन और श्रीमती इंदु बाली दत्ता

ग्रुप 2– श्री एस.एस. मोहन और सुश्री देविका छिब्बर

ग्रुप 3– श्री गौतम मोहन और श्रीमती नीलम दत्ता मेहता

सभी युवा और अन्य मोहयाल अलग–अलग ग्रुप में बँट गए और इन विषयों पर विचार–विमर्श करने लगे।

लंच के पश्चात अलग–अलग सभाओं के प्रेज़ीडेंट और सेक्रेटरीज मोहयाल आश्रम में एकत्र हुए। उनके साथ जनरल मोहयाल सभा के प्रेज़ीडेंट रायज़ादा बी.डी. बाली ने बिरादरी के विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श किया। इसमें मुख्य–अतिथि ले.जन. जी.एल. बक्शी, श्री ओ.पी. मोहन (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), श्री डी.वी. मोहन (सेक्रेटरी जनरल), श्री बी.एल. छिब्बर और श्री पी.के. दत्ता (उपाध्यक्ष) ने भाग लिया। रायज़ादा बी.डी. बाली ने लोकल मोहयाल सभाओं को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। मोहयाल सभा होशयारपुर के अध्यक्ष श्री शाम सुंदर दत्ता ने बताया कि उनकी सभा के पदाधिकारी और सदस्य गाँव–गाँव जाकर उन मोहयालों को मुख्य–धारा में ला रहे हैं जिन्हें पता ही नहीं है कि वे मोहयाल हैं। सबने इसकी सराहना की। सभी अध्यक्ष और सचिव एकमत थे कि युवाओं को सभाओं में आगे लाना चाहिए।

29 मार्च 2014

कैप्टन के.एल. डोभाल के 'मोहयाल चालीसा' पाठ से कार्यवाही शुरू हुई। अलग–अलग ग्रुप लीडर्ज़ ने रिपार्ट प्रस्तुत की।

ग्रुप-1

इसमें 45 युवा और अन्य मोहयाल थे। सबने विचार–विमर्श में उत्साह से भाग लिया। श्रीमती इंदु बाली दत्ता ने संक्षेप में सबके विचार रखे। श्री ऋत मोहन ने मुख्य–अतिथि के भाषण की प्रशंसा की। सुझाव दिया गया कि 25 वर्ष से कम आयु के युवाओं को युवा–कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया जाए। मोहयालों में ही विवाह किए जाएँ। जी.एम.एस. की आलोचना करने वालों को जी.एम.एस. के साथ मिलकर बिरादरी की सेवा करने के लिए आगे आना चाहिए। श्रीमती इंदु बाली दत्ता ने जनरल मोहयाल सभा का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें ग्रुप लीडर बनने का सुअवसर दिया गया। किसी भी बिरादरी के युवा उसकी शक्ति होते हैं। बिरादरी का भविष्य युवा ही तय करते हैं। युवाओं को सपने देखने देने चाहिएँ और उन्हें पूरा करने में सहयोग करना चाहिए।

ग्रुप-2

इसमें 35 मोहयालों ने भाग लिया। श्री एस.एस. मोहन ने रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवाओं को समर्पित भावना से बिरादरी के लिए कार्य करने चाहिएँ। चर्चा के लिए कमरों में इंतज़ाम करने चाहिएँ थे। प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए था। युवाओं की रजिस्ट्रेशन का रजिस्टर अलग होना चाहिए था।

ग्रुप-3

श्रीमती नीलिमा दत्ता मेहता ने बताया कि इस ग्रुप में 40 मोहयालों ने भाग लिया। मोहयाल मित्र में युवाओं की गतिविविधियों के लिए पृष्ठ होने चाहिएं। मोहयालों के इतिहास और पूर्वजों पर मोहयाल मित्र में जानकारी दी जानी चाहिए। युवाओं का व्यावसायिक मार्ग दर्शन करना चाहिए। परिवारों की भूमिका को महत्व दिया जाना चाहिए। यूथ कैंप में खेलों का भी आयोजन किया जाना चाहिए। इस ग्रुप के दूसरे लीडर श्री गौतम मोहन थे।

रायज़ादा बी.डी. बाली ने इन रिपोर्ट पर अपने विचार रखते हुए कहा कि उन्हें प्रसन्नता हुई है कि युवाओं ने आपस में खुलकर बातचीत की है। मेरी इच्छा है कि बिरादरी के सभी मंचों पर, जी.एम.एस. और लोकल सभाओं के स्तर पर युवाओं को जिम्मेदारियाँ दी जानी चाहिएँ। इससे वे सक्रिय होकर कार्य करेंगे। उन पर विश्वास करना चाहिए। उनमें भावी नेतृत्व की क्षमता इसी तरह आएगी। पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी के लिए स्थान देना चाहिए। मुझे इन युवाओं में बिरादरी का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। हमारी संस्कृति, मूल्य और श्रेष्ठ परंपराएँ सुरक्षित रहेंगी।

इसके पश्चात श्री पी.के. दत्ता ने सात प्रस्ताव रखे। जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। (देखें इंगलिश सैक्शन)

श्री ओ.पी. मोहन ने धन्यवाद–ज्ञापन किया।

यूथ कैंप का एक आकर्षण था मोहयाल आश्रम में पुस्तकालय का रायज़ादा बी.डी. बाली द्वारा लोकार्पण। श्री ओ.पी. मोहन ने अपनी स्वर्गीय माताजी की स्मृति में 'बाला जी लायब्रेरी' के लिए धनराशि भेंट की थी।

उत्साह और उमंग भरे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने 28 और 29 मार्च को युवाओं को बाँधे रखा। डी.जे. पर बजने वाले फ़िल्मी गानों पर युवा घंटों नाचते और झूमते रहे। युवाओं ने गीत गाए। मोनो–एक्टिंग की प्रस्तुति की गई। कविताएँ सुनाई गईं।

युवा और अन्य मोहयाल 29 मार्च को बसों से आगरा की भ्रमण–यात्रा पर गए।

30 मार्च 2014

गोवर्धन मोहयाल आश्रम का लोकार्पण श्रीमती निर्मला बंसल ने किया। इस आश्रम के लिए उन्होंने ज़मीन भेंट की थी। इसमें आठ कमरे बनाए गए हैं। बाहर खुला लॉन है। रायज़ादा बी.डी. बाली ने मोहयाल ध्वज फहराया। हवन किया गया। इस अवसर लगभग 200 मोहयाल उपस्थित थे।

मोहयाल यूथ कैंप सफल आयोजन का श्रेय श्री पी.के. दत्ता, श्री योगेश मेहता, डॉ. अशोक लव, श्री कामरान दत्ता और श्री अशवनी

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बक्शी तथा अन्य स्वयंसेवकों को जाता है जिन्होंने इसकी योजना बनाई और इसका सफल आयोजन किया।

यूथ कैंप में आए अधिकांश युवा इसे अपने जीवन की उपलब्धि मान रहे थे। उन्हें एक–दूसरे को जानने और मिलने का सुअवसर मिला था। इस कैंप की प्रेरक–शक्ति के रूप में मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली थे जिनके मार्गदर्शन और उपस्थिति ने युवा मोहयालों को उमंगित रखा। उन्होंने प्रत्येक सभा के सदस्यों को स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया।

***–धर्मवीर मोहन** (सेक्रेटरी जनरल)*

मोहयाल यूथ कैंप-2014

निम्नलिखित मोहयाल सभाओं के युवाओं, सदस्यों और पदाधिकारियों ने यूथ कैंप में भाग लिया–

(1) होशयारपुर (2) जालंधर (3) लांबड़ा (4) महरौली (5) उत्तम नगर (6) द्वारका (7) रोहिणी–पीतमपुरा (8) वेस्ट ज़ोन (9) यमुनापार (10) नजफ़गढ़ (11) जनकपुरी (4 से 11 नई दिल्ली) (12) देहरादून (13) प्रेम नगर देहरादून (14) करनाल (15) अंबाला (16) देहरादून महिला सभा (17) कालका (18) आगरा (19) खन्ना (20) गुड़गाँव (21) फरीदाबाद) (22) सोलन (23) लुधियाना (24) जम्मू (25) पानीपत।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय योगदान करने वाले युवा मोहयाल–

(1) युवराज दत्त (2) मनीष बाली (3) आर्यन बक्शी (4) अभिषेक बक्शी (5) मोना बक्शी (6) निखिल छिब्बर (7) नंदिनी (8) सिमरन मेहता (9) अभिनव दत्त (10) श्रेया (11) जतिंदर छिब्बर (12) सचिन दत्त (13) वर्धन छिब्बर (14) सुनील दत्त (15) संचिता दत्ता (16) शिवम मेहता (17) अभिषेक दत्ता (18) सिद्धार्थ दत्ता (19) शशी दत्ता (20) देव दत्त (21) पार्थ वैद (22) राजिंदर छिब्बर (23) नरेंद्र वैद (24) विजय दत्ता (25) देविका छिब्बर (26) विनीत छिब्बर एवं अन्य सैंकड़ों।

सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई

मार्च का महीना विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं का महीना होता है। उनकी परीक्षाओं का परिणाम आ गया है और सब नई कक्षाओं में पहुँच गए हैं। समस्त विद्यार्थियों और उनके माता–पिता को बधाई!

दसवीं और बारहवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बोर्ड की परीक्षाएँ दी हैं। उनके परिणाम इस माह के अंत तक आ जाएँगे। जनरल मोहयाल सभा की ओर से सबको हार्दिक शुभकामनाएँ। हम प्रतिवर्ष 80 प्रतिशत और अधिक अंक लाने वाले मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हैं। मोहयाल मित्र के जून अंक में इसके लिए फ़ार्म प्रकाशित किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों के पाँच अनिवार्य विषयों में कुल मिलाकर 80 प्रतिशत और अधिक अंक आएँ, वे इस फार्म को भरकर जनरल मोहयाल सभा के पते पर भेज दें।

बोर्ड की परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले और श्रेष्ठ अंक लाने वाले समस्त विद्यार्थियों और उनके माता–पिता को बधाई!

❑ ***डॉ. अशोक लव,** संयोजक–प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान (संपर्क: 011–26500456)*

पूर्वजों का आशीर्वाद

देश के विभाजन की त्रासदी के कारण मेरे दादाजी को परिवार के 14 सदस्यों के साथ अपना गाँव–सौवाल, तहसील–पिंड दादन खान, ज़िला–झेलम (अब पाकिस्तान) छोड़कर भारत आना पड़ा, परन्तु रास्ते में ही ग्यारह सदस्यों की 'कामोकी' रेलवे स्टेशन पर हुए नरसंहार में हत्या कर दी गई।

मेरे मन में यह इच्छा हमेशा से रही कि मैं अपने पूर्वजों के घर की यात्रा करूँ। पाकिस्तान के साथ कड़े कूटनीतिक कारणों से मैं यह यात्रा न कर सका। एक दिन इंटरनेट पर अचानक मेरा संपर्क पाकिस्तान के इस्लामाबाद के कंप्यूटर इंजीनियर श्री मजीद रज़ा से हुआ। हम एक–दूसरे के साथ चैटिंग करने लगे। मैं यह जानकर हैरान रह गया कि मज़ीद रज़ा को मोहयालों के बारे में जानकारियाँ थीं। मैंने उन्हें अपने पूर्वजों के घर का पता दिया। मेरे अनुरोध पर वे मेरे गाँव गए। वे वहाँ श्री सैयद से मिले जो मेरे अंकल श्री एच.एल. मेहता (लौ) के सुपरिचित थे। हमारे परिवार के बारे में जानकर वे बहुत खुश हुए। श्री मजीद रज़ा ने हमारे घर की फोटो लीं और घर की एक ईंट भी ले ली। उन्होंने फ़ोटो ई–मेल से भेजीं तो हमारा पूरा परिवार भावुक हो उठा। सबने श्री मजीद रज़ा का हृदय से आभार माना।

इस बीच श्री मज़ीद रज़ा के मित्र ताहिर दिल्ली आए। वे मुझसे मिले। वे सन् 2012 में हुई मोहयाल कांफ्रेंस में भी शामिल हुए। सबने उनका दिल खोलकर स्वागत किया। श्री ताहिर इस अपनत्व भरे स्वागत से भाव–विभोर हो गए।

मुझे पिछले साल पता चला कि श्री ताहिर के मित्र श्री सैयद इकबाल चौधरी जो झेलम शहर के एम.पी.ए. हैं किडनी प्रत्यारोपण के लिए दिल्ली आ रहे हैं। मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे अपने साथ हमारे घर की ईंट लेते आएँ। वे तत्काल मान गए और अपने साथ ईंट ले आए। मैंने उनसे ईंट ली। इसे देखकर मेरी आँखों में आँसू भर आए। मैंने उसे माथे से लगाया। मुझे लगा मैं अपने पूर्वजों का आशीर्वाद ले रहा हूँ। ईंट लेकर मैं घर पहुँचा। ऐसा लग रहा था हमारे पूर्वज हमारे घर आ गए थे। मेरी माता जी ने उसे गंगाजल से धोया और पूजा वाले कमरे में रख दिया। इस तरह हमारे परिवार को आशीर्वाद देने के लिए हमारे पूर्वज हमारे घर आ गए।

मैं इस भावनात्मक भरे कार्य के लिए, जो बहुत कठिन था, श्री मजीद रज़ा, ताहिर और श्री सैयद इकबाल चौधरी का सदा ऋणी रहूँगा। यह कार्य दर्शाता है कि मानवता को सीमाओं में बाँधा नहीं जा सकता।

❑ ***योगेश मेहता** (मो.) 9811338000*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बेबी अरण्या मैहता आंनद का प्रथम लोहड़ी पर्व!

दिनांक 13.10.2014 को बेबी अरण्या मैहता आंनद का प्रथम लोहड़ी पर्व बड़ी धूम–धाम से कोठी नं. 829, सेक्टर–16, पंचकूला में मनाया गया। इस खुशी के मौके पर समस्त भीमवाल परिवार, मोहयाल बिरादरी, मित्रगण ने नानी श्रीमती बिमला मैहता (भीमवाल) व श्रीमती कानन मैहता एवम् श्री आनंद वासुदेवन जी को बहुत बहुत बधाइयां दीं।

गौरतलब है कि अरण्या मैहता आनंद का जन्म एटलांटा (जी.ए) यू.एस.ए. में श्रीमती कानन मेहता व श्री आनंद वासुदेवन जी के घर हुआ। अरण्या मेहता श्री टी वासुदेवन जी एवम् श्रीमती उषा वासुदेवन त्रीचूर केरला निवासी की पौत्री है। तथा स्वर्गीय मेहता रमेश चन्द्र जी भीमवाल व श्रीमती बिमला मेहता (भीमवाल) जी की दोहती है।

इस खुशी के मौके पर नानी श्रीमती बिमला मेहता ने जी.एम.एस. को एक हज़ार एक सौ रुपए एजूकेशन फंड में दान दिए।–*मेहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे नानाजी)*

सब जन होत न एक समान

मैंने अपनी माँ के मुख से जो एक सत्य घटना सुनी, उसके आधार पर उस संवाद पर विश्वास नहीं जैसे–मेरे पिता स्वतन्त्रता सेनानी थे (क्रान्तिकारी) वह पश्चिमी–पंजाब के ग्रामीण इलाके, विशेषकर लायलपुर के जट सिख लोगों को अंग्रेजी सरकार की देश में जमी जड़ों को उखाड़ने के लिए उत्साहित करना और 1920 के बीच गुप्त रूप से बनी पार्टी शायद बॅबर पार्टी बनाने में सहयोग देना उनका उद्देश्य था। इसी कारण उनको जेल जाना पड़ता। पर मेरी माँ व दादी ने ऐसे संकट के समय हिम्मत नहीं हारी। अपने जेवर तक बेच–बेच कर पिताजी की जेल अवधि को कम करवाने का भरसक प्रयत्न किया। और माँ ने गाँव के समीप ही तहसील समुन्द्री की कन्या पाठशाला में नाम लिखवाया, जिससे वह अपनी अधूरी शिक्षा को पूरा कर सके।

गोद में छः माह की बच्ची को उठाए, बगल में पुस्तकों वाला बस्ता दबाए प्रतिदिन पाठशाला जाती।

अब पाठशाला का रास्ता गाँव के ही विरोधी परिवार के खेतों से होकर जाता। विरोधी इसलिए कहा, क्योंकि वह तत्कालिन सरकार का शुभचिंतक था और क्रांतिकारी योजना को अक्सर निष्फल करने के चक्कर में रहता। उसी के कारण पिताजी को जेल जाना पड़ता। पर माँ जब उसके खेतों के बीचों–बीच बनी पगडंडी से निकलती तो विरोधी मुखिया, अपने कन्धे से अँगोछा उतार चेहरे पर रखते हुए रास्ता छोड़ दूर खड़ा हो जाता तथा स्नेहयुक्त सम्मान से माँ को हाथ के इशारे कहता, "जाओ बेटी जाओ।"

टिप्पणी–यह बात है परतन्त्र भारत की। काश!
स्वतन्त्र भारत में भी कुछ ऐसा ही होता।

मेरी यह रचना मेरी स्वर्गीय माँ तथा दादी को श्रद्धांजलि स्वरूप!

–जनक वैद, *बी–111, प्रीतविहार, दिल्ली–92, फोन: 22410717*

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

कोटकपूरा

कोटकपूरा नगर की प्रथम मोहयाल सभा बैठक श्री विजय छिब्बर जी के 'न्यू छिब्बर हाऊस (छिब्बर स्ट्रीट कोटकपूरा) में दिनांक 23.02.2014 को हुई। इस अवसर पर नगर के सभी मोहयाल परिवारों ने हिस्सा लिया। इस दिन श्री विजय छिब्बर

तथा श्रीमती सुकेश छिब्बर के छोटे बेटे पारूल छिब्बर का जन्मदिन भी था। सभी ने छिब्बर परिवार को पारूल के जन्मदिन की मुबारक दी। सुन्दरकांड के पाठ के पश्चात छिब्बर परिवार की पुत्र वहुएं श्रीमती सोनिका छिब्बर तथा वीनू छिब्बर ने सुन्दर भजनों द्वारा सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। मोहयाल परिवारों को श्रीमती नीलम छिब्बर तथा पूनम छिब्बर ने बहुत ही प्रीत से भोजन करवाया।

इस अवसर पर विशेष रूप से यमुनानगर से पधारी श्रीमती स्नेह दत्ता ने श्री विजय छिब्बर से अनुरोध किया कि लोकल सभा का गठन करके इसे जनरल मोहयाल सभा के साथ जोड़ा जाए, जिसे सभी ने स्वीकार किया। मुक्तसर तथा फरीदकोट में रहने वाले मोहयाल परिवारों से संपर्क करने की जिम्मेदारी श्री अनिल छिब्बर तथा श्रीमती ज्योति छिब्बर ने ली।

सभी ने श्री आदर्श छिब्बर (बब्बू) तथा नीलम छिब्बर के पुत्र अंकित छिब्बर के वैटनरी डॉक्टर बन जाने पर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री विजय छिब्बर ने सभी मोहयाल परिवारों का धन्यवाद किया तथा यह आश्वासन दिया कि जल्दी ही जनरल मोहयाल सभा के साथ कोटकपूरा मोहयाल सभा को जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

नताशा छिब्बर तथा लक्ष्य छिब्बर ने शांति पाठ करके सभा की समाप्ति की।

–राहुल छिब्बर, *(मो.) 9855219706*

अंबाला कैंट

सभा की मासिक मीटिंग 6.04.2014 को परम शहीद भाई मतिदास विश्रामालय में प्रधान आई.आर. छिब्बर जी की अगुवाई में हुई, जिसमें दस सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद महासचिव एम.एल. दत्ता जी ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती संतोष बक्शी छिब्बर का गाल ब्लैडर सफल आप्रेशन पर सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा साथ ही जीएमएस द्वारा दस हज़ार रुपए की आर्थिक सहायता के लिए धन्यवाद किया।

शुभ सूचनाः कु. रिया बाली व पारस बाली पुत्री व पुत्र श्रीमती विधु बाली व मुकेश बाली, पोती–पोता श्रीमती ऊषा बाली निवासी 14 सुभाष पार्क अंबाला कैंट ने अपनी अपनी कक्षा में उत्तम श्रेणी ए1 ग्रेड पाकर बाली परिवार का नाम ऊँचा किया है। इस अवसर पर सदस्यों ने बच्चों के माता–पिता व दादी को बधाई दी तथा होनहार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्रीमती उषा बाली दादी ने जीएमएस और लोकल सभा को दो सौ एक रु. प्रत्येक को भेंट किए।

बधाईः सभा ने श्री विनोद दत्त एमडी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता दत्त सह–एमडी (सुपर मिल्क) चाणक्य डेयरी, मंडी गोविंदगढ़ को नई दिल्ली विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा वर्ष 2012 के प्रथम श्रेणी राष्ट्रीय उत्पाद, पुरुस्कार से सम्मानित होने के लिए बधाई व शुभकामनाएं।

प्रस्तावः श्रीमती कर्मजीत कौर छिब्बर विधवा है। उसका बेटा हर्षदीप ने दसवीं की बोर्ड परीक्षा दी है उसे किताबों कापियों के खरीदने के लिए सभा द्वारा 3100 रु. आर्थिक सहायता के लिए प्रस्ताव पारित किया गया।

मोहयाल मित्र की न मिलने की शिकायत पर एम.एल. दत्ता ने अवगत कराया कि जीएमएस को मोहयाल मित्र सदस्यों की सूची दोबारा भेज दी गई है तथा मोहयाल फाउंडेशन नई दिल्ली से लगातार संपर्क में है।

प्रधान जी ने सभा में सदस्यों की अनुपस्थिति पर रोष प्रकट किया तथा सलाह दी कि भविष्य में हर सदस्य अपने साथ एक और मोहयाल को लाएं। सभा का 2013–14 का लेखा जोखा सचिव ने प्रस्तुत किया। प्रधान जी की अनुमति से सभा समाप्त हुई।

आई.आर छिब्बर, *प्रधान* ***एम.एल. दत्ता,*** *एएफओ महासचिव*
0171–2660305 *मो. 9896102843*

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र की मासिक मीटिंग 6 अप्रैल 2014 को श्री संतोष वैद की प्रधानता में हुई, जिसमें 25 भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना से सभा का आरम्भ हुआ।

शोक समाचारः प्रधान संतोष वैद की माता श्रीमती राज कुमारी वैद के निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

पिछले मास की कारवाई पढ़कर सुनाई तथा सभी ने इसका अनुमोदन किया। सभा में नारायणगढ़ से आए मोहयालों का परिचय कराया गया जो किसी राजनैतिक पार्टी के के इलैक्शन के लिए यहाँ आए हुए थे।

जनरल मोहयाल सभा का आजीवन सदस्यता 2100 से 3100 रु. करने पर सभी ने एकमत इसे पुराने स्तर पर रखने का जीएमएस से अनुरोध किया जाए। मार्च मास में कुरूक्षेत्र से तीन मोहयाल भाइयों को जी.एम.एस. का आजीवन सदस्य बनाया गया। नववर्ष का वार्षिक चंदा सभी सदस्यों से लिया गया।

लोकल मोहयाल सभा की जानकारी के बिना पूनम मेहता छिब्बर, कुरूक्षेत्र के जीएमएस का आजीवन सदस्य बनाने पर जी.एम.एस. से जानकारी मांगी जाए।

मोहयाल मित्र न मिलने पर इसे सुचारू–रूप से भेजने का जीएमएस से अनुरोध किया जाए।

गायत्री मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ।

–सन्तोष वैद, *प्रधान (मो.) 9813790076*

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक श्रीमती भगरीथी बाली के निवास स्थान पर हुई। गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग की कार्यवाही शुरु हुई। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया।

सभा में एक बहन के बेटे को जीएमएस की तरफ से आर्थिक सहायता दी जा रही है सभी बहनों की तरफ से जीएमएस को धन्यवाद किया गया। करनाल में हुए मेले को सराहा गया इस प्रकार के मेले होने चाहिए।

सभा में सहायता फार्म भरे गए। आदरणीय बी.डी. बाली जी और उनकी टीम मोहयाल बिरादरी के लिए बड़ा कार्य कर रही है। श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुनिता दत्ता और श्रीमती सूरज वैद ने अपने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

–श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 6.04.2014 को प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर जी के निवास स्थान पर आरम्भ हुई, जिसमें लगभग 10 सदस्यों ने भाग लिया।

सभा के सदस्यों ने श्री राजीव दत्त के जीएमएस के आजीवन सदस्य बनने पर उनको हार्दिक बधाई दी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर परिवार का धन्यवाद किया गया। प्रधान जी ने आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

–रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सचिव (मो.) 09466213488*

देहरादून

देहरादून सभा की मीटिंग 6 अप्रैल 2014 को श्री राजेश मोहन व श्रीमती ललिता दत्ता (अध्यक्ष स्त्री विंग) की अध्यक्षता में मोहयाल स्कूल में हुई, जिसमें लगभग 26 सदस्यों ने भाग लिया।

स्वागतः सभा के प्रधान राजेश मोहन व श्री एन.के. दत्ता जी ने वृंदावन में युवा कैंप से लौटे सभी युवाओं का स्वागत किया तथा युवा कैंप की गतिविधियों की पूर्ण जानकारी ली। ग्रुप डिस्कशन की ग्रुप लीडर श्रीमती इंदु दत्ता ने ग्रुप डिस्कशन में युवाओं के विचारों से सभा को अवगत कराया। सभा की ओर से रुड़की के श्री दीपक लव, कपिल बाली, अतुल छिब्बर आदि का धन्यवाद किया गया, जिन्होंने वृंदावन युवा कैम्प से लौट रही देहरादून मोहयाल सभा की बस जो रात्रि में रुड़की में खराब हो गई थी उन्होंने मौके पर पहुँच कर भोजन आदि की व्यवस्था की तथा 4 घंटे तक साथ रहे। सभी मोहयाल बन्धुओं ने मिलकर मोहयाल प्रार्थना की।

शोक प्रस्तावः सभा की ओर से प्रधान राजेश मोहन की माता जी डॉ. ओम कुमारी मोहन जी के निधन पर शोक प्रस्तावित किया गया तथा दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मीटिंग का मुख्य एजेंडा बैसाखी पर आयोजित डिनर व सांस्कृतिक संध्या था। यशवंत दत्ता ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

–यशवंत दत्ता, *जनरल सेक्रेटरी (मो.) 09358321592*

उत्तम नगर

अप्रैल माह की मीटिंग श्री अनिल कुमार बाली जी के निवास पर 6.04.2014 को प्रधान आर.के. मोहन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। गायत्री मंत्र तथा मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त श्री अनिल कुमार बाली ने पधारे हुए मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि ये बड़े हर्ष का विषय है कि आज एं संगठित सभा के रूप में मोहयालों के चरण द्वारका में मेरे निवास पर नवरात्रों के शुभ अवसर पर पड़े हैं। इस प्रकार का मिलन प्रेम तथा सम्पन्नता में बढ़ोतरी का आशीर्वाद हुआ करता है। विकासपुरी से सभा में पहली बार पधारे श्री पंकज बाली का सभी सदस्यों ने स्वागत किया।

प्रधान आर.के. मोहन ने बताया कि विधवा पेंशन से सम्बन्धित सभी फार्म जीएमएस को भेज दिए गए हैं। श्रीमती संतोष मोहन के निवास का पता न लग पाने के कारण उनका फार्म अभी नहीं भरा जा सका है। उनसे निवेदन है कि उत्तम नगर सभा से संपर्क करें।

युवा कार्यक्रम वृंदावन में भाग लेकर श्री एस.पी. वैद की अध्यक्षता में तथा विनीत बक्शी की देख–रेख में लौटी युवा टीम के पास बहुत से संस्मरण सुनाने के लिए थे, जिसको उन्होंने सदस्यों के साथ शेयर किया। सदस्यों ने कार्यक्रम के आयोजन को सफल बताते हुए उसमें समय की पांबदी की विशेष रूप से सराहना की। श्रीमती डिम्पी दत्ता तथा श्री विनीत बक्शी ने आयोजन की तारीफ करते हुए बताया कि श्री योगेश मेहता तथा उनकी युवा टीम के द्वारा संचालित यह कार्यक्रम मोहयाल युवाओं के लिए मोहयाली से जुड़े रहने की प्रेरणा स्वरूप रहा है। इसके लिए हम उत्तम नगर सभा की ओर से श्री योगेश मेहता को बधाई देते हैं।

उत्तम नगर क्षेत्र के मोहयालों से विचार–विमर्श करके एक आम सभा के कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी कार्य चल रहा है। मई मास की मीटिंग श्री अनिल कुमार दत्ता एफ–30, ओम विहार पर होनी तय हुई है। नवरात्र के विशेष जलपान के लिए श्री और श्रीमती अनिल कुमार बाली को धन्यवाद के साथ मीटिंग सम्पन्न हुई।

–आर.के. मोहन, *प्रधान (मो.) 9654941010*

पांवटा साहिब

सभा की बैठक दिनांक 9.03.2014 को श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान) के निवास स्थान मै. सूरज ट्रैक्टरज, वार्ड नं1, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर की अध्यक्षता में लगभग 24 भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोचारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई व सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

शोक समाचारः श्री मदनलाल छिब्बर पुत्र स्व. श्री मंगतराम छिब्बर जिनका स्वर्गवास दिनांक 04.03.2014 को यमुनानगर में हुआ की आत्मिक शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। स्वर्गीय श्री मदनलाल छिब्बर, श्री अरूण छिब्बर (सचिव मोहयाल सभा) के ताया जी थे।

वृंदावन में मोहयाल यूथ कैंप के लिए भी चर्चा की गई व कैंप में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया कुछ सदस्यों ने सहमति दी। सभा की तरफ से उचित सहयोग का आश्वासन दिया गया।

पिछले माह जैसा कि मोहयाल महिलाओं ने किट्टी का प्रस्ताव रखा था। इस माह से किट्टी का प्रारम्भ कर दिया गया। प्रथम किट्टी श्रीमती राखी बक्शी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी को मिली है। उनकी तरफ से सभी का धन्यवाद किया गया।

श्री प्रवीन दत्ता मार्फत मै. दत्ता मेडिकोज, धौला कुआँ ने 201 रु. मोहयाल सभा पाँवटा साहिब को दिए। श्री ओम प्रकाश बाली जी ने 200 रु. मोहयाल मित्र के लिए दिए।

सभा की अगली मीटिंग 13.04.2014 को श्री राकेश बाली जी के निवास स्थान 53, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, देवी नगर, पांवटा साहिब ने शाम 4 बजे होगी।

प्रधान श्री सूरज प्रकाश बाली जी ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया व सभी सदस्यों ने प्रधान जी को चाय नाश्ते के आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद किया।

शांति पाठ के साथ मीटिंग का समापन किया गया।

सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान* ***अशोक मेहता, अरूण छिब्बर***
सचिव

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप की मासिक बैठक दिनांक 06.04.2014 को गुरूद्वारा भाई मतिदास जी बूडिया में सभा के स्थापना दिवस के रूप में मनाई गई। जिसमें बड़ी संख्या में मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया।

सर्वप्रथम सभी ने गुरूद्वारा साहिब में माथा टेका। सुख शांति एवम् समृद्धि की कामना की। इसके बाद भाई मतिदास जी के चित्र पर मालाएँ अर्पित की गईं एवम् मोहयाली प्रार्थना के बाद जय मोहयाल के नारे लगाए गए।

गुरूद्वारा साहिब के प्रधान सरदास बूंदा सिंह भिमवाल जी ने भाईमति दास जी एवं भाई सतिदास जी के जीवन पर बहुत ही सुन्दर शब्दों में प्रकाश डाला। इस अवसर पर गुरूद्वारा के जत्थों द्वारा शहीदों के जीवन को समर्पित शब्द प्रस्तुत किए गए। गुरूद्वारा साहिब में भाई मतिदास जी, भाई सतिदास एवं भाई दयाला जी के शहीदी प्राप्त करते चित्रों को बड़े ही सजींव ढंग से दर्शाया गया है।

इस अवसर पर गुरूद्वारा कमेटी की तरफ से संगत जलपान एवं लंगर का आयोजन किया गया। गुरूद्वारा कमेटी की तरफ से सभा के प्रधान सतपाल दत्ता महासचिव सुरेन्द्र मेहता छिब्बर वित्त सचिव अशोक वैद, सीनियर वाईस प्रधान नरेश मेहता एवं सभा के वरिष्ठ सलाहकार मेहता राम प्रकाश छिब्बर जी को सरोपे भेंट किए गए।

सभा के सदस्यों ने अरदासें करवाई एवम् सभा की तरफ से 500 रु. एवं मेहता रामप्रकाश छिब्बर जी की तरफ से 500 रु. भेंट किए गए। मोहयाल सभा के प्रधान एवं सचिव ने गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी का धन्यवाद किया। सभा के सभी सदस्यों ने सरदार बूंदा सिंह एवं उनकी टीम का शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

दुखद समाचारः सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री मदनलाल जी छिब्बर के निधन पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। आदरणीय छिब्बर जी बहुत ही कर्मठ एवं मृदु भाषी थे। सभा छिब्बर परिवार से संवेदना प्रकट करती है।

प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सभा में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। अगली मीटिंग दिनांक 04.05.2014 को मोहयाल भवन यमुनानगर में होगी।

–सुरेंदर मेहता छिब्बर, *महासचिव (मो.) 9355310880*

नजफगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली की अप्रैल 2014 की बैठक 06.04.2014 को श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में सभा प्रधान कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 11 बहन–भाई उपस्थित हुए। मीटिंग में उपस्थित सदस्यों ने फरवरी 2014 मास की कार्यवाही का अनुमोदन किया। तथा मार्च 2014 मास के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

दुःखद समाचारः श्रीमती कौशल्या देवी (सास श्री श्योरीलाल दत्ता) नवादा बाजार, नजफगढ़ का निधन 18.03.2014 को हो गया। इनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना के लिए परिवार वालों ने सभा कोष में 200 रु. दान दिए।

शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थनाः श्री रविन्द्र कुमार बाली आनन्द निकेतन, नई दिल्ली का हृदय का आप्रेशन हुआ। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई।

पदाधिकारियों के चुनावः सभी उपस्थित पदधारियों का सुझाव था कि सभा के वर्तमान पदधारी कुशलतापूर्वक सभा का कार्य कर रहे हैं। अतः इनके निर्णय अनुसार वर्ष 2014–15 के कार्यकाल के लिए भी सभा के वर्तमान पदधारी अपने–अपने पदों पर बने रहेगें।

जनरल मोहयाल सभा की जीवनकाल स्थायी सदस्यताः सभी सदस्यों ने जीएमएस का जीवनकाल स्थायी सदस्यता शुल्क को 2100 रु. से बढ़ाकर 3100 रु. कर देने को उचित नहीं ठहराया। इन सदस्यों के विचारों के अनुसार बिरादरी के गरीब परिवार एवं आश्रयहीन विधवा बहनें धीरे–धीरे बिरादरी के साथ संगठित रहने से वंचित हो जाएंगें। अतः सभी ने सदस्यता शुल्क न बढ़ाने का एक प्रस्ताव पास करके जी.एम.एस. को भेजने का आग्रह किया।

भ्रमणः प्रधान कर्नल छिब्बर जी ने सभा के सदस्यों के भ्रमण का सुझाव रखा जो मान लिया गया। इस कार्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए श्री हर्षदत्ता जी से अनुरोध किया गया।

बैठक में उपस्थितिः प्रधान जी ने सदस्यों से प्रत्येक बैठक में उपस्थित होने की प्रार्थना की तथा जिन बहन–भाइयों ने सदस्यता शुल्क देकर अपनी सदस्यता का नवीनीकरण अभी तक नहीं कराया। उनसे शीघ्र नवीनीकरण कराने का अनुरोध किया गया है।

मई 2014 की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़ में 4.05.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन किया गया है।

ले.कर्नल (रिट.) बी.के.एल. छिब्बर, *प्रधान*
मो. 9210869406

होशयारपुर

मोहयाल सभा (रजि.) होशयारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुंदर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड पर हुई। इस अवसर पर प्रधान श्याम सुन्दर दत्ता तथा महामंत्री विजयंत बाली जी ने बताया कि वहाँ पर मोहयाल सभा होशयारपुर के 15 सदस्य वृंदावन की यात्रा पर गए थे।

सभी ने जीएमएस के द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रधान जी ने वृंदावन, मथुरा, वाकें विहारी मन्दिर वरसाना, गोवर्धन पर्वत तथा नंद गाँव व वरसाने की यात्रा की जानकारी दी। जीएमएस द्वारा आगरे की यात्रा के प्रबंध तथा खाने–पीने के प्रबन्धों की सभी ने सराहना की।

श्री जगदीशलाल मेहता ने कहा कि श्री बी.डी. बाली जी द्वारा सभी प्रधानों तथा मंत्रीयों के साथ किए गए बैठक एक सराहनीय कार्य है इससे सभी सभाओं की गतिविविधियों को विशेष बल मिलता है। इस अवसर पर मनोज दत्ता, दिनेश दत्ता, प्रेम प्रकाश मेहता, जे.एल. मेहता, निखिल बाली, अरविन्द मेहता, वरिन्द्र दत्त वैद, प्रधान श्याम सुन्दर दत्ता, जगदीश लाल मेहता शामिल थे।

*-**मनोज दत्ता,** ज्वांइट सेक्रेटरी (मो.) 9463766261*

एकता व अखंडता का प्रतीक-शहीद भाई मतिदास गुरूद्वारा बूडिया

यमुनानगर। हमारे देश की एकता व अखंडता कायम रखने के लिए जहाँ कई लोगों ने कुर्बानियां दी। वही हिंदू धर्म की रक्षा के लिए गुरू तेगबहादुर जी के समय में भाई मतिदास, भाई सतिदास व भाई दयाला जी ने अपने जीवन की आहूतियां दी। यमुनानगर के बूडिया

में शहीद भाई मतिदास एक नाम से एक गुरूद्वारा स्थापित किया गया है। जिसमें देश भर से मोहयाल बिरादरी के अलावा भारी संख्या में सिख श्रद्धालु भी यहाँ आकर शीश निवाते हैं। पूरे भारत में मात्र एक ही यमुनानगर के बूडिया में शहीद भाई मतिदास का गुरूद्वारा है।

पाकिस्तान के जिला जेलम गाँव करियाला के भाई परागा के यहाँ जन्मे थे, भाई मतिदास, भाई सतिदास व भाई जतिदास, भाई सखीदास। ये चारों भाई छठी पातशाही गुरू हरगोबिंद साहिब से प्रभावित होकर उनके अनुयायी बने थे। भाई दयाला जी, भाई माईदास के सुपुत्र थे। इनका जन्म गाँव मणिपुर जिला मुज्जफरगढ़ में हुआ था। जब मुगल हकुमत के औरंगजेब ने भारत में हिंदूओं को इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए जुल्म शुरू किए। तब कश्मीर के कुछ पंडित नौंवी पातशाही गुरू तेगबहादुर साहिब के पास गए और उनसे हिंदू धर्म बचाने की फरियाद की। जिस पर गुरू तेगबहादुर साहब ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जिसे भयभीत होकर औरंगजेब ने गुरूतेग बहादुर जी को गिरफ्तार करवाकर दिल्ली भेजा। उस समय गुरू तेगबहादुर के साथ भाई मतिदास, भाई सतिदास व भाई दयाला भी थे। मुगल हकुमत में इनको डर व लालच देकर इस्लाम धर्म कबूल करने की कोशिश की। लेकिन उसमें असफल रहे। गुरू तेगबहादुर के मन में डर बैठाने के लिए मुगल हकुमत ने सबसे पहले दिल्ली की चाँदनी चौक में भाई मतिदास जी को आरे के साथ चीरकर शहीद कर दिया। फिर भाई सतिदास को रूई में लपेट कर उन्हें जिंदा जलाकर शहीद कर दिया और उसके बाद भाई दयाला जी को उबलते पानी में बैठाकर शहीद कर दिया गया और उसके बाद जब गुरू तेगबहादुर जब इस्लाम धर्म कबूलने के लिए तैयार नहीं हुए तो उनका शीश धड़ से अलग कर दिया गया।

यमुनानगर के कस्बा बूडिया में भाई मतिदास जी के नाम पर गुरूद्वारे की स्थापना की गई है और यह संभवत भारत भर में ऐसा एक मात्र गुरूद्वारा है जो भाई मतिदास के नाम से जाना जाता है। सिख संगत के अलावा भाई संख्या में मोहयाल बिरादरी के लोग भी यहाँ आकर शीश निवाते हैं। इस गुरूद्वारा में भाई मतिदास, भाई सतिदास व भाई दयाला जी के जीवन को दर्शाती अनेक वस्तुएं हैं। हाल ही में मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप का स्थापना दिवस एवं भाई मतिदास का शहीदी दिवस इस गुरूद्वारा में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। जिसमें मोहयाल भाई बहनों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर गुरूद्वारा समिति के प्रधान सरदार बूंदा सिंह, सचिव बलदेव सिंह आहूजा ने भाई मतिदास जी के शहीदी दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह हिंदू धर्म की रक्षा के खातिर भाई मतिदास ने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस अवसर पर गुरूद्वारा समिति ने जलपान व लंगर का आयोजन किया गया।

*–**सुरेंद्र मेहता छिब्बर,** महासचिव एमएस जगाधरी वर्कशाप*
मो. 9355310880

माँ

माँ मुझे जब तेरी याद आती है,
अंखियन से अंसूअन की झड़ी लग जाती है।
दिल रोता है जार–जार मेरा,
व्योई शै भी सब्र नहीं दे पाती है।
तुझसे यूँ लड़ना झगड़ना,
अपनी जिद को पूरा करना,
क्यू जीत का अहसास,
नहीं दे पाती है।
तेरे होंठो का यू धीरे–धीरे कपकपाना,
बात करते करते यू सोच में डूब जाना,
इक हूक सी दिल में जगा जाती है,
माँ मुझे जब तेरी याद आती है।
आज तू नहीं है मेरे पास,
लेकिन तेरे स्पर्श का अहसास,
आज भी ठंडक का आभास दे जाती है
माँ मुझे जब तेरी याद आती है।
(29 मार्च को मेरी ममतामयी माँ की पुण्यतिथि पर)

*-**नीलम मैहता** आजीवन सदस्य मोहयाल मित्र*
होशयारपुर (पंजाब) मो. 9914658976, 253961

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भाई अमरनाथ छिब्बर का स्वर्गवास

हमारे पूजनीय पिता जी, भाई अमरनाथ छिब्बर का स्वर्गवास दिनांक 5.03.2014 को मो. अर्जुनपुरा लखीमपुर खीरी, उ.प्र. में हो गया है। उनकी क्रिया 14.03.2014 को सम्पन्न हुई, जिसमें भारी संख्या में रिश्तेदार एवं मित्रगण उपस्थित हुए, जिन्होंने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हमारे पिता जी देश विभाजन के उपरान्त सर्वप्रथम ग्राम–तनकौर, अंबाला हरियाणा में कुछ समय अपने पिता जी भाई रामलाल छिब्बर के साथ रहे। इसके उपरान्त वह अपने घनिष्ठ मित्र के साथ 20 वर्ष आयु में लखीमपुर खीरी, उ.प्र. आ गए, यहाँ पर पिता जी ने अथक परिश्रम करके कृषि भूमि अर्जित की इसके कुछ समय बाद ही उनके पिता जी को ग्राम–रूकड़ी (दो सड़का) अंबाला में कृषि भूमि प्राप्त हुई। उनका विवाह (डालीगंज लखनऊ) श्रीमती निर्मला से हुआ।

हमारे पूज्य पिताजी शिक्षा एवं निष्काम कर्म कर अधिक बल व महत्व देते थे काफी संघर्ष के साथ बच्चों की शिक्षा पूर्ण करवायी। पिताजी के परिवार में हमारी माताजी श्रीमती निर्मला छिब्बर, बड़ी बहन शारदा दत्त, भाई विद्यासागर छिब्बर, भाई प्रेम सागर छिब्बर, भाई विनोद कुमार छिब्बर, भाई वेदरत्न छिब्बर एवं भाई शिव सागर छिब्बर हैं। सभी की शादियाँ हो चुकी हैं। पिताजी के पोते व पोतियाँ हैं।

हमारे पिताजी अक्सर कहा करते थेः–

सीरत के हम गुलाम है, सूरत हुई तो क्या।
सुर्खी सफ़ेद मिट्टी की, मूरत हुई तो क्या।।

फूल नहीं मैं खुशबू हूँ, न मुरझाऊँगा।
जब–जब मेरा नाम पुकारें में आ जाऊँगा।

हमारी पूजनीय माता जी श्रीमती निर्मला छिब्बर ने पिता जी की स्मृति में 11,000 रु. जी.एम.एस. लंगर फंड हरिद्वार आश्रम, लंगर तिथिः 5 मार्च। और 10,000 रुपए जीएमएस विधवा पेंशन फण्ड तथा 11,000 रुपए जी.एम.एस. के शिक्षा–निधि में प्रदान कर रही हैं।

हमारी परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि हमारे पिता जी की आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें तथा उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

ॐ शांतिः शांतिः शांति।

–भाई विद्यासागर छिब्बर *(मो.) 9451809356*

डॉ. ओम कुमारी मोहन जी का निधन

देश के जाने–माने होमोयोपैथ स्व. वाई.आर. मोहन जी की पत्नी डॉ. ओम कुमारी मोहन जी का निधन गत 13 मार्च 2014 को देहरादून में हो गया ये मोहयाल समाज के लिए ही नहीं वरन् देहरादून के लिए अपूर्णीय क्षति है।

डॉ. ओम कुमारी मोहन गत कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी, इसके बावजूद वो लोगों का इलाज कर रही थी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। उनके पीछे उनके परिवार में उनके पुत्र हिन्द कुमार मोहन, ललित मोहन, राजेश मोहन (प्रधान मोहयाल सभा देहरादून) सुशील मोहन व पुत्री पूनम मोहन पत्नी कर्नल (अवकाश प्राप्त) अमित दत्ता तथा पुत्र वधुएँ श्रीमती विनोद मोहन, श्रीमती नीता मोहन व श्रीमती सुनीता मोहन हैं।

परिवार की ओर से मोहयाल आश्रम हरिद्वार व मोहयाल आश्रम वृंदावन को 500–500 रुपए तथा मोहयाल सभा देहरादून को 1000 रुपए दान दिए। मोहयाल सभा देहरादून इस दुःख की घड़ी में इस परिवार के साथ तथा इस पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हैं।

–यशवंत दत्ता, *महासचिव एमएस देहरादून (मो.) 09358321592*

चौथी पुण्य स्मृति

स्वर्गीय श्रीमती कमला मेहता (मोहन) धर्मपत्नी श्री बंसीलाल मेहता का आकस्मिक निधन दिनांक 01 अप्रैल 2010 को अपने निवास स्थान दिल्ली में हुआ था। उनकी चौथी पुण्य–तिथि पर पूरे परिवार के सदस्यों ने मिलकर हवन, यज्ञ व ब्राह्मण भोज का आयोजन किया व अपने श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए, मेहता परिवार ने 250 रुपए जी.एम.एस. व 250 रु. वेस्ट ज़ोन मोहयाल सभा को अर्पित किए।

–सुरेश कुमार मेहता,
विष्णु गार्डन, नई दिल्ली–110018
(मो.) 9211373712

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो रातोंरात अमीर बनना चाहते हैं? ऐसे तमाम विज्ञापन समाचार–पत्रों में नजर आते हैं, जिनमें फटाफट कामयाबी के गुरु बताए जाते हैं। पर जो लोग उनका अनुसरण करते हैं, कहीं–न–कहीं उनको पछताना पड़ता है, क्योंकि सफलता पाने, खूब पैसा कमाने या बड़ा बनने का वास्तव में कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं होता। कई बार हमारी सोच भी गलत होती है। हम यह मान बैठते हैं कि जो कामयाब है, उनकी किस्मत उनके साथ है। हम यह नहीं सोचते कि इसके पीछे कितनी मेहनत और कितना समय लगता होगा।

दोस्तो, कसूर आपका नहीं, माहौल का है। कामयाब इंसान के बारे में हम तभी जानते हैं, जब वह कामयाब हो जाते हैं। इसके पहले उन्होंने कितनी तकलीफ सही होगी, हमें इसके बारे में कुछ नहीं मालुम होता। किसी भी जाने–माने इंसान की जिंदगी में झाँककर देखिए, आप जान जाएँगे कि कामयाबी पाने का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि कामयाब का रास्ता लंबा है.... मुश्किल भी है, पर नामुमकिन नहीं। एक उदाहरण लेते हैं। आप लंबा होना चाहते हैं तो क्या एक ही दिन में दवाई की पूरी बोतल पी जाने से आप लंबे जाएंगे नहीं न। लंबे होने के लिए आपको ठीक से खाना होगा, व्यायाम करना होगा आदि। इसी तरह आप रेस जीतना चाहते हैं तो क्या सिर्फ रेस वाले दिन दौड़ लगाकर आप रेस जीत जाएंगे? बिल्कुल नहीं। इसके लिए आपको रोज दौड़ लगानी होगी, अपनी टाइमिंग में सुधार लाना होगा आदि। सफलता की कोई लिफ्ट नहीं होती कि बटन दबाया और पहुँच गए सबसे ऊपर की मंजिल पर। सफलता के लिए सीढियां चढनी होती है। इसी ढंग से आप धीरे–धीरे सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आइए, सफलता की सीढ़ी चढ़ने के कुछ टिप्स में आपके साथ शेयर करता हूँः–

- फटाफट के इस जमाने में भी कामयाबी के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। यह तरीका आपको सही रास्ते से भटकाएगा।
- चुटकी बजाते ही मंजिल पर पहुँचाने वालों से पूछिए कि क्या वे सफल हैं, अमीर हैं?
- सदैव अपने लक्ष्य पर नजर रखिए और पूरी प्लानिंग के साथ परिश्रम कीजिए।
- याद रखिए, जब आम लोग अपना वक्त फिजूल खर्च करने में लगे होते हैं, तब कामयाबी की इच्छा रखने वाले अपनी जिंदगी का नक्शा तैयार कर रहे होते हैं।
- कामयाब लोगों की जीवनी पढ़ें। एवम् उनकी आदतों का अनुसरण करें। इससे आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।
- एक डायरी बना लिजिए, जिसमें न सिर्फ अपनी पूरी प्लानिंग के बारे में लिखिए, बल्कि अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट के बारे में भी नियमित रूप से लिखते रहिए। इससे आपको मंजिल की ओर आगे बढ़ने में दिक्कत नहीं आएगी।

–हर्षबीर सिंह मेहता, *एम.एस .प्रेमनगर, देहरादून*
मो. 09719266087

सेवा भाव

अठारह वर्ष पहले दो लड़कियाँ तेरह (13) व चौदह (14) वर्ष की चंडीगढ़ से भाग कर दिल्ली जाने के लिए सरहिन्द के स्टेशन पर जाने लगी। जब मैंने उन्हें अपने सामने रिक्से से जाते हुए देखा, तो अचानक मुझे ऐसा लगने लगा कि ये लड़कियाँ यहाँ स्थानीय क्षेत्र की रहने वाली नहीं है। वे रेलवे स्टेशन पर दिल्ली की गाड़ी पर चलने के लिए तैयार थी। तभी मैंने पुलिस की सहायता से उनको गाड़ी चढ़ने से रोका तथा पुलिस की सहायता से उनकी जाँच पड़ताल करवाई, तो पता लगा कि वे लड़कियाँ घर से ऐक्टर बनने के लिए निकली हैं। पुलिस द्वार उनके माता–पिता को सूचित किया तथा उन लड़कियों को उनके घर पहुँचाया।

आज से बीस वर्ष पहले एक ट्रक ड्राइवर एक बारह (12) वर्ष के लड़के को सरहिन्द छोड़कर आगे चला गया। उस लड़के की भाषा हमारी भाषा से मेल नहीं खाती थी, जिस कारण हम उसकी बात समझने में कठिनाई महसूस करते थे। वह लड़का अपना घर नहीं बता सकता था। हमने दो–तीन घंटे पूछताछ करने के बाद एएसआई श्री राज कुमार को सूचित किया। अगले दिन राज कुमार जी उस लड़के को काँगड़ा से ऊपर पहाड़ों में उसके घर छोड़कर आए।

ऊपरलिखित दूसरी घटना के जैसे एक लड़का, जिसकी आयु 15 वर्ष की थी, इसी प्रकार उसे रेल गाड़ी द्वारा जम्मू भेजा। वह लड़का एक–दो दिन से भूखा था। जो गलती से अपने घर से 250–300 किमी की दूरी पर ट्रक द्वारा छोड़ दिया गया था। मैंने उसको भोजन खिलाकर रेल गाड़ी की सहायता से उसे उसके घर पहुँचाया।

हमारे पास कोई भी एक्सीडेंट होता है, तो हम देखने पर सिविल अस्पतला में प्रथम उपचार के लिए जाते हैं।

हमारे परिवार ने स्थानीय लोगों को साथ में मिलाकर तथा अपने स्थानीय एमएलए कुलजीत सिंह नागर की सहायता से राहुल गाँधी तथा रेलवे मंत्री से प्रार्थना करके 28 फरवरी 2014 को सरहिन्द रेलवे स्टेशन पर तीन नयी गाड़ियों का स्टेशन करवाया। इस प्रकार अपने राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति और अपने शहर के प्रति हम जुटे रहें। धन्यवाद!

–रविन्द्र कुमार बाली

जुदाई

जुदाई आपकी रुलाती रहेगी,
याद आपकी हमें आती रहेगी,
पल पल जान जाती रहेगी
जब तक जिस्म में है जान
हर साँस यह रिश्ता निभाती रहेगी।

ज़िन्दगी की राह कैसी भी गुज़र जाएगी,
इक दिन हम भी चुपके से चले जाएँगे,
आज रहेंगे दोस्तों के दिल में याद बनके,
कल आँसू बनके आंखों से निकल जाँएगे।

–बृजमोहन, *सी–3ए 98सी, जनकपुरी, नई दिल्ली*
मो. 9811244020

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor